

四

सदानन्द,  
वनु सचिन,  
जरार शंखरा वाचाम ।

卷之三

सारिया,  
केन्द्रीय भाष्यकारिक विद्या परिषद्,  
विद्या केन्द्र-2 समुदाय केन्द्र,  
प्रियि विद्यार, नडीशहरी।

## Topic (2) अनुसन्धान

**दिव्य :-** निर्दित पत्रपर पहाड़ेट स्थूल पुराणी, वाहनशुर की सौभाग्यसूत्र मनुदेवी से दायरा देख अवशिष्ट प्रमाण दन दिव्य जगा।

三

वर्णनीय विषय की ओर सापेक्ष व्युत्ति आकृष्ट करते हुवे मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि एकत्र संवर्गीय विषयमें जो स्थानोंकी अस्तित्वों नहीं दर्शती हैं सभी वास्तव हेतु अवशिष्ट उद्योग प्राप्ति की दिये जाने में इन राष्ट्र भाषाओं को निर्माणकार्यालय प्रतिवेदियों के अधीन आपत्ति नहीं है:

(1) विधायकी की गवीरता सोसायटी का समय-समय गर नवीनीकरण कराएँ।

(2) इनकालय की परिवर्तन स्थापना में वित्ती नियंत्रक द्वारा नियंत्रित पहले संवादस्थ बोला।

(3) विद्यालय में कम से कम 10 प्रतिशत स्थान अनुमूलित वासि/अनवासि के भेदवारी वर्गों के लिए सुरक्षित रहेंगे और उनसे उत्तराधिकारिक विद्या परिषद्/वैदिक विद्या परिषद् द्वारा संचालित विद्यालयों में विभिन्न वर्गों के लिए निर्धारित ग्रन्थ से अधिक ग्रन्थ नहीं लिप्त नहीं होंगे।

(4) तरंगा गाय राज्य सरकार से किसी अनुदान की मांग नहीं की जावेगी और यदि यूं में विद्यालय माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है तब विद्यालय की अधिकारी द्वारा योई आठ रुपयोंसे एनुकोशन नहींदेती। कीमित आठ दि वार्षिक सहूल सलीफकेट इनजीमिनेशन नहींदेती से बाह्य होती है, तो उस नहीं द्वारा परिषद से सख्तत प्राप्त होने का तो य से उभयमाध्यमिक शिक्षा परिषद गाय प्रदत्त मान्यता तथा राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान स्वतः समाप्त हो जायेगे।

(v) निवा के शीलिक एवं शिल्पोत्तर कर्मचारियों का राजनीय सहायता प्राप्त शिल्प  
प्रदाताओं के कर्मचारियों की अनुमति देतानानांना तथा जन्म भत्तों से कम  
तानानांग तथा जन्म भत्तों नहीं दिये जानें ।